------------------------------------------------------------

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (57) खण्ड - {113}

------------------------------------------------------------

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें..........

प्रश्न 1- बच्चे शुरू से आये हुए हैं, 10 परसेन्ट भी योग नहीं लगता है इसलिए -

A- आत्मा में शक्ति भरती नहीं।

B- सर्विस करते नहीं हैं।

C- पाप कटते नहीं हैं।

D- पाप-आत्माये रहते हैं।

प्रश्न 2- घर में रहते हो तो भी पहले यह याद करो -

A- हम शिवबाबा के बच्चे हैं।

B- पावन जरूर बनना है।

C- हम ब्राह्मण है।

D- हम आत्मा हैं, देह नहीं।

प्रश्न 3- भक्ति मार्ग में शंख व तुतारी आदि बैठ बनाई है क्योंकि-

A- शंख ध्वनि से माया के कीटाणु नष्ट हो जाते हैं।

B- हम शंख ध्वनि करते हैं इसलिए ।

C- बाप भी शंख ध्वनि करते रहते हैं।

D- मनोरंजन के लिए।

प्रश्न 4- कौनसा स्लोगन गले में डालकर रखो ?

A- डबल लाइट अव्यक्त फरिश्ता भव

B- अब नहीं तो कब नहीं

C- जो चार शब्दों में काम हो सकता है वो 12- 15 शब्दों में नहीं बोलो। कम बोलो-धीरे बोलो,

D- सफलता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

प्रश्न 5- अलग शब्द पहचानिए -

A- शान्तिधाम,

B- सुखधाम

C- स्वर्गधाम।

D- दुःखधाम

प्रश्न 6- ज्ञान तो बहुत देते हो। बाप कहते हैं, पहले-पहले बात ही यह बताओ कि -

A- ज्ञान से कमाई होती है

B- याद की यात्रा से ही जन्म-जन्मान्तर के पाप

C- आत्मा समझ बाप को याद करो।

D- हम सबके दो आप है।

प्रश्न 7- गोवर्धन पहाड़ दिखाते हैं ना, अंगुली पर उठाया। अंगुली तुम देते हो कौन सी ?

A- तन सेवा करते हो

B- पवित्रता की

C- दिव्या गुणों की धारणा की

D- नर्क को स्वर्ग बनाने के लिए तुम एक बाप के साथ बुद्धि का योग लगाते हो

प्रश्न 8- ब्रह्म ज्ञानी, तत्व ज्ञानी हैं, वह अपने को क्या समझते हैं ?

A- संन्यासी

B- विद्वान

C- शास्त्रों की अथारिटी

D- अहम् ब्रह्मास्मि

प्रश्न 9- नाटक का खेल कहाँ चलता है ?

A- सूक्ष्मवतन,

B- मूलवतन,

C- स्थूल वतन,

D- A और C

प्रश्न 10- साइलेन्स का बल क्यों जमा करना है ?

A- पाप भस्म होते हैं इसलिए

B- साइलेन्स दुनिया में जाना है इसलिए

C- बाप से ताकत लेना है इसलिए

D- नई दुनिया की स्थापना के लिए

प्रश्न 11- सहजयोग का आधार है ?

A- स्नेह और संबंध

B- संबंध और प्राप्ति।

C- ज्ञान और योग

D- धारणा और सेवा

प्रश्न 12- अलग शब्द पहचानिए ?

A- योगी,

B- कामी,

C- भोगी,

D- रोगी,

प्रश्न 13- अब बच्चे जानते हैं 5 विकारों को जरूर छोड़ना है क्योंकि-

A- पवित्र बनना है।

B- सतयुग में विकार नहीं होते।

C- यह साथ में नहीं ले जाने हैं।

D- पावन दुनिया में जाना है।

प्रश्न 14- माया के पाम्प में मनुष्यों को कौन सी इज्जत मिलती है ?

A- आसुरी इज्जत।

B- मनुष्य किसी को भी आज थोड़ी इज्जत देते, कल उसकी बेइज्जती करते हैं, गालियाँ देते हैं।

C- माया ने सबकी बेइज्जती की है, पतित बना दिया है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 15- एम आब्जेक्ट है ?

A- देवता बनना

B- लक्ष्मी-नारायण

C- दैवीगुण धारण करना

D- बाप समान बनना

प्रश्न 16- श्रीमत पहले-पहले कहती है-

A- तुम अवतरित आत्मा हो।

B- श्रीमत पर चलना चाहिए।

C- देवताओं में 5 विकार होते नहीं।

D- अपने को आत्मा समझो

---------------------------------------------------------

भाग (57) खण्ड {113} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

---------------------------------------------------------

उत्तर 1- *C.पाप कटते नहीं हैं*

विनाश तो जरूर होगा। इस योगबल से ही तुम्हारे जन्म-जन्मान्तर के पाप कटेंगे। बाकी जन्म-जन्मान्तर के पाप कटने में टाइम लगता है। *बच्चे शुरू से आये हुए हैं, 10 परसेन्ट भी योग नहीं लगता है इसलिए पाप कटते नहीं हैं।* नये-नये बच्चे झट योगी बन जाते हैं तो पाप कट जाते हैं और सर्विस करने लग पड़ते हैं।

उत्तर 2- *D.हम आत्मा हैं,देह नहीं*

*घर में रहते हो तो भी पहले यह याद करो - हम आत्मा हैं, देह नहीं।* तुम आत्मायें ही 84 जन्म भोगती हो। अभी तुम्हारा यह अन्तिम जन्म है। पुरानी दुनिया खत्म होनी है। इसको कहा जाता है पुरूषोत्तम संगमयुग का लीप युग।

उत्तर 3- *C.बाप भी शंख ध्वनि करते रहते हैं*

*बाप भी शंख ध्वनि करते रहते हैं। उन्होंने फिर भक्ति मार्ग में शंख व तुतारी आदि बैठ बनाई है।* बाप तो इस मुख द्वारा समझाते हैं। यह पढ़ाई है राजयोग की। बहुत सहज पढ़ाई है। बाप को याद करो और राजाई को याद करो। बेहद के बाप को पहचानो और राजाई लो। इस दुनिया को भूल जाओ।

उत्तर 4- *C.जो चार शब्दों में काम हो सकता है वो 12- 15 शब्दों में नहीं बोलो। कम बोलो-धीरे बोलो*

बात होती है दो शब्दों की लेकिन उसे लम्बा करके बोलते रहना, यह भी व्यर्थ है। *जो चार शब्दों में काम हो सकता है वो 12-15 शब्दों में नहीं बोलो। कम बोलो-धीरे बोलो....यह स्लोगन गले में डालकर रखो।* व्यर्थ वा डिस्टर्ब करने वाले बोल से मुक्त बनो तो अव्यक्त फरिश्ता बनने में बहुत मदद मिलेगी।

उत्तर 5- *D.दु:खधाम*

वह बाप है ही ऊंच ते ऊंच। परन्तु वह क्या है, यह भी नहीं समझते। अगर पत्थर ठिक्कर में है फिर नम: काहे की। अर्थ रहित बोलते रहते हैं। यहाँ तो तुमको आवाज़ से परे जाना है अर्थात् निर्वाणधाम, शान्तिधाम में जाना है। शान्तिधाम, सुखधाम कहा जाता है। वह है स्वर्गधाम। *नर्क को धाम नहीं कहेंगे।* अक्षर बड़े सहज हैं।

उत्तर 6- *C.आत्मा समझ बाप को याद करो*

*बाप कहते हैं पहले-पहले बात ही यह बताओ कि अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो।* इस ज्ञान देने के

लिए ही तुम इतने चित्र आदि बनाते हो। योग के लिए कोई चित्र की दरकार नहीं है। चित्र सब ज्ञान की समझानी के लिए बनाये जाते हैं।

उत्तर 7- *D. नर्क को स्वर्ग बनाने के लिए तुम एक बाप के साथ बुद्धि का योग लगाते हो*

गोवर्धन पहाड़ दिखाते हैं ना, अंगुली पर उठाया। तुम गोप-गोपियां हो ना। सतयुगी देवी-देवताओं को गोप-गोपियां नहीं कहा जाता है। अंगुली तुम देते हो। आइरन एज को गोल्डन एज वा *नर्क को स्वर्ग बनाने के लिए तुम एक बाप के साथ बुद्धि का योग लगाते हो* । योग से ही पवित्र होना है।

उत्तर 8- *D.अहम् ब्रह्मस्मि*

वह जो ब्रह्म ज्ञानी, तत्व ज्ञानी हैं, ऐसे मत समझो वह अपने को कोई आत्मा समझते हैं। वह तो ब्रह्म घर को परमात्मा समझते हैं और *स्वयं को कहते हैं अहम् ब्रह्मस्मि।* अब घर से थोड़ेही योग लगाया जाता है।

*उत्तर 9- C स्थूल वतन*

मूलवतन, सूक्ष्मवतन, स्थूल वतन - यह है सारी युनिवर्स। खेल कोई सूक्ष्मवतन वा मूलवतन में नहीं चलता है, *नाटक स्थूलवतन ही चलता है।* 84 का चक्र भी यहाँ है। इनको ही कहा जाता है 84 के चक्र का नाटक। यह बना-बनाया खेल है।

*उत्तर 10- B साइलेन्स दुनिया में जाना है इसलिए*

साइंस और साइलेन्स की इस समय जैसे लड़ाई है। तुम साइलेन्स में जाते हो, उसका तुमको बल मिल रहा है। *साइलेन्स का बल लेकर तुम साइलेन्स दुनिया में चले जायेंगे।* बाप को याद कर अपने को शरीर से डिटैच कर देते हो।

*उत्तर 11- B संबंध और प्राप्ति*

*सहजयोग का आधार है - संबंध और प्राप्ति।* संबंध के आधार पर प्यार पैदा होता है और जहाँ प्राप्तियां होती हैं वहाँ मन-बुद्धि सहज ही जाता है। तो संबंध में मेरेपन के अधिकार से याद करो, दिल से कहो मेरा बाबा और बाप द्वारा जो शक्तियों का, ज्ञान का, गुणों का, सुख-शान्ति, आंनद, प्रेम का खजाना मिला है उसे स्मृति में इमर्ज करो, इससे अपार खुशी रहेगी और सहजयोगी भी बन जायेंगे।

*उत्तर 12- A योगी*

कोई भी विकार का भूत नहीं होना चाहिए। ये भूत बहुत खराब हैं। कामी की हेल्थ बिगड़ती रहती है। ताकत कम हो जाती है। इस काम विकार ने तुम्हारी ताकत बिल्कुल खत्म कर दी है। नतीजा यह हुआ है आयु कम होती गई है। भोगी बन पड़े हो। कामी, भोगी, रोगी सब बन जाते हैं। वहाँ विकार होता नहीं। *तो योगी होते हैं सदैव तन्दुरूस्त और आयु भी 150 वर्ष होती है।* वहाँ काल खाता नहीं।

*उत्तर 13- C यह साथ में नहीं ले जाने हैं*

अभी है पतित अशान्ति का राज्य फिर होगा पावन शान्ति का राज्य। अभी तो अनेक धर्म हैं। कितनी अशान्ति है। सब पतित ही पतित हैं। रावण का राज्य है ना। *अब बच्चे जानते हैं 5 विकारों को जरूर छोड़ना है। यह साथ में नहीं ले जाने हैं।* आत्मा अच्छे वा बुरे संस्कार ले जाती है ना। अब बाप तुम बच्चों को पवित्र बनने की बात बताते हैं। उस पावन दुनिया में कोई भी दु:ख होता नहीं।

*उत्तर 14- D उपरोक्त सभी*

*आसुरी इज्जत। मनुष्य किसी को भी आज थोड़ी इज्जत देते, कल उसकी बेइज्जती करते हैं, गालियाँ देते हैं। माया ने सबकी बेइज्जती की है, पतित बना दिया है।* बाप आये हैं तुम्हें दैवी इज्जत वाला बनाने।

*उत्तर 15- B लक्ष्मी-नारायण*

भगवानुवाच, जैसे टीचर कहेंगे हम तुमको बैरिस्टर अथवा फलाना बनाते हैं। निश्चय से पढ़ाते हैं और वह बन जाते हैं। पढ़ने वाले भी नम्बरवार होते हैं ना। फिर पद भी

नम्बरवार पाते हैं, यह भी पढ़ाई है। बाबा एम आब्जेक्ट सामने दिखा रहे हैं। *तुम समझते हो इस पढ़ाई से हम लक्ष्मी-नारायण बनेंगे।* खुशी की बात है ना।

*उत्तर 16- D अपने को आत्मा समझो*

*श्रीमत पहले-पहले कहती है अपने को आत्मा समझो।* तुम आत्मा परमधाम से यहाँ आई हो पार्ट बजाने, यह तुम्हारा शरीर विनाशी है। आत्मा तो अविनाशी है। तो तुम अपने को आत्मा समझो - मैं आत्मा परमधाम से यहाँ आई हूँ पार्ट बजाने। अभी यहाँ दु:खी होते हो तब कहते हो मुक्तिधाम में जावें।

----------------------------------------------------

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (57) खण्ड - {114}

----------------------------------------------------

प्रश्न 1- संगमयुग का श्रेष्ठ शान है ?

A- सन्तुष्टमणी बनना

B- खुशनुमः बनना

C- साक्षी स्थिति में स्थित होना

D- सदा मौज में रहना

प्रश्न 2- क्या मेहनत है ?

A- उठते-बैठते, चलते-फिरते देह के बदले अपने को देही समझो।

B- याद की यात्रा से ही जन्म-जन्मान्तर के पाप कटेंगे,

C- याद में

D- श्रीमत पर चलने में

प्रश्न 3- इस जन्म में तुम पढ़ते हो, रिज़ल्ट -

A- 21 जन्म।

B- नई दुनिया में मिलती है।

C- संगमयुग पर मिलती है।

D- अन्त में निकलेगी।

प्रश्न 4- सारे विश्व में भारत जैसे-

A- तीर्थ है

B- स्वर्ग हैं

C- गांव है।

D- देश हैं

प्रश्न 5- ड्रामा प्लैन अनुसार -

A- सब पढ़ेंगे।

B- सबको सुखधाम ले जाना है।

C- सबको वापिस जाना है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- बाप भल बैठे यहाँ हैं परन्तु नज़र सारे विश्व पर और सारे विश्व के मनुष्य मात्र पर है क्योंकि-

A- सारे विश्व को ही निहाल करना होता है।

B- सबका बाप है।

C- जीवनमुक्ति का वर्सा देना है।

D- सबको वापिस ले जाना है।

प्रश्न 7- जितना-जितना तमोप्रथान से सतोप्रधान बनते जायेंगे, उतना -

A- अन्दर में तुमको खुशी होगी।

B- शुद्ध बनेंगे

C- उत्तम बनेंगे

D- शक्तिशाली बनेंगे

प्रश्न 8- वो लोग तो देवाला मारते फिर 5-7 वर्ष बाद खड़े हो जाते हैं। यहाँ तो कितने जन्मों का देवाला मारते हैं ?

A- 84

B- 21

C- 63

D- 75

प्रश्न 9- बाप किन बच्चों को बुद्धू समझते हैं ?

A- फालो फादर नही करते वह

B- जिन्हें बाप के मिलने की भी खुशी नहीं - वह

C- पुरूषार्थ नहीं करते हैं वह

D- जो बिल्कुल भी बाप को याद नहीं करते वह

प्रश्न 10- कहते हैं गाड फादर इज़ नॉलेजफुल। मनुष्य यह भी जानते नहीं हैं कि बाप में क्या नॉलेज है। आप जानते हो बाप में कौन सी नालेज है ?

A- आत्मा परमात्मा और ड्रामा की

B- रचना और रचता की

C- सारी सुष्टि के आदि, मध्य अन्त की

D- आत्माओं को मुक्ति और जीवन मुक्ति का रास्ता बताने की।

प्रश्न 11- अविनाशी ज्ञान रत्नों के धन्धे से क्या बनते हैं ?

A- देवता

B- विश्व का मालिक

C- 21 जन्मों के लिए पद्मापद्म भाग्यशाली

D- बाप समान

प्रश्न 12- ज्ञान है बाप, तो अज्ञान है ?

A- माया

B- 5 विकार

C- भक्ति

D- दुश्मन

प्रश्न 13- बुद्धि में कौन सा ज्ञान है तो ज्ञानवान हैं ?

A- शिवबाबा आया है तुम्हारे सब भण्डारे भरपूर करने

B- बाप के तीनों पार्ट है।

C- मुझ आत्मा में 84 जन्मों का अविनाशी पार्ट नूंधा हुआ है,

D- सृष्टि के आदि मध्य अन्त का

प्रश्न 14- देवी-देवता ही फिर वाम मार्ग में जाते हैं तो -

A- द्वापर युग शुरू होता है।

B- रावण की प्रवेशता होती है।

C- 8 कला होती है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 15- विनाश के समय किस को पता पड़ता है बाप आया हुआ है ?

A- भक्ति मार्ग वालों को

B- सभी को पता

C- शास्त्रों आदि पढने वालों को

D- हम ब्राह्मण बच्चों को

प्रश्न 16- ब्रह्मा का दिन और रात ही गाई जाती है क्योंकि -

A- ब्रह्मा ही चक्र में आते हैं।

B- ब्रह्मा ही विष्णु बनते हैं।

C- शिवबाबा ब्रह्मा द्वारा स्थापना करते हैं।

D- भगवान इसी रथ का आधार लेते हैं

---------------------------------------------------------

भाग (57) खण्ड {114} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

---------------------------------------------------------

उत्तर 1- *A.संतुष्टमणि बनना*

*संगमयुग का श्रेष्ठ शान है सन्तुष्टमणी बनना* वा सन्तोषी होकर रहना। इस शान में रहने वाली आत्मा परेशान नहीं हो सकती। संगमयुग पर बाप-दादा की विशेष देन सन्तुष्टता है।

उत्तर 2- *A.उठते-बैठते, चलते-फिरते देह के बदले अपने को देही समझो*

बाप ने ही बताया है यह पुरूषोत्तम संगमयुग है, यह याद करो फिर भी याद क्यों नहीं कर सकते हो! युक्तियां बतलाते हैं याद की। फिर साथ-साथ कहते भी हैं माया बड़ी दुश्तर है। घड़ी-घड़ी तुमको भुलायेगी और देह-अभिमानी बना देगी इसलिए जितना हो सके याद करते रहो। *उठते-बैठते, चलते-फिरते देह के बदले अपने को देही समझो।* यह है मेहनत।

उत्तर 3- *B.नई दुनिया में मिलती है*

पढ़ाने वाला भी वन्डरफुल, पढ़ाई भी वन्डरफुल है। किसको भी याद नहीं, भूल जाती है। आगे जन्म में क्या पढ़ते थे, किसको याद है क्या? *इस जन्म में तुम पढ़ते हो, रिज़ल्ट नई दुनिया में मिलती है।* यह सिर्फ तुम बच्चों को पता है। यह याद रहना चाहिए - अभी यह पुरूषोत्तम संगमयुग है, हम नई दुनिया में जाने वाले हैं।

उत्तर 4- *C.गांव है*

बाप जानते हैं अब मैं जाता हूँ फिर सारे विश्व में जयजयकार हो जायेगी। मैं भारत में ही जाऊंगा। *सारे विश्व में भारत जैसे गांव है।* बाबा के लिए तो गाँव ठहरा। बहुत थोड़े मनुष्य होंगे। सतयुग में सारी विश्व जैसे एक छोटा गाँव था। अभी तो कितनी वृद्धि हो गई है।

उत्तर 5- *C.सबको वापिस जाना है*

*ड्रामा प्लैन अनुसार सबको वापिस जाना है* क्योंकि नाटक पूरा होता है। थोड़ा आगे चलेंगे तो खुद भी समझ जायेंगे अब विनाश होता है। अब नई दुनिया की स्थापना होनी

है क्योंकि आत्मा तो फिर भी चैतन्य है ना। तो बुद्धि में आ जायेगा - बाप आया हुआ है। पैराडाइज़ स्थापन होगा और हम शान्तिधाम में चले जायेंगे

उत्तर 6- *A.सारे विश्व को ही निहाल करना होता है*

यहाँ तो बाप बैठे हैं, इनकी तो सारे दुनिया की जो भी आत्मायें हैं, सब तरफ नज़र जाती है। जानते हैं सबको मुझे वर्सा देना है। *भल बैठे यहाँ हैं परन्तु नज़र सारे विश्व पर और सारे विश्व के मनुष्य मात्र पर है क्योंकि सारे विश्व को ही निहाल करना होता है।* बाप समझाते हैं यह है पुरूषोत्तम संगमयुग

उत्तर 7- *A.अन्दर में तुमको खुशी होगी*

*जितना-जितना तमोप्रधान से सतोप्रधान बनते जायेंगे, उतना अन्दर में तुमको खुशी भी होगी।* जब रजो में द्वापर में थे तो भी तुमको खुशी थी। तुम इतना दु:खी विकारी नहीं थे। यहाँ तो अभी कितने विकारी दु:खी हैं।

उत्तर 8- *A. 84*

यहाँ भी ऊंच चढ़ते-चढ़ते फिर श्रीमत को भूल अपनी मत पर चलते हैं तो देवाला मार देते हैं। *वो लोग तो देवाला मारते फिर 5-7 वर्ष बाद खड़े हो जाते हैं। यहाँ तो 84 जन्मों का देवाला मारते हैं।* ऊंच पद पा न सकें। देवाला मारते ही रहते हैं। बाबा के पास फ़ोटो होता तो बतलाते।

उत्तर 9- *B.जिन्हें बाप के मिलने की भी खुशी नहीं-वह*

*जिन्हें बाप के मिलने की भी खुशी नहीं - वह बुद्धू हुए ना।* ऐसा बाप जो विश्व का मालिक बनाता, उसका बच्चा बनने के बाद भी खुशी न रहे तो बुद्धू ही कहेंगे ना।

उत्तर 10- *C.सारी सृष्टि के आदि,मध्य,अन्त की*

बाप नॉलेजफुल है। वह कुछ भी शास्त्र आदि पढ़ते नहीं। यह शास्त्र आदि पढ़ा था। मेरे लिए तो *कहते हैं गॉड फादर इज़ नॉलेजफुल। मनुष्य यह भी जानते नहीं हैं कि बाप

में क्या नॉलेज है। अभी तुमको सारी सृष्टि के आदि, मध्य, अन्त की नॉलेज है।*

उत्तर 11- *C. 21जन्मों के लिए पद्मापद्म भाग्यशाली*

*अविनाशी ज्ञान रत्नों का धन्धा कर 21 जन्मों के लिए पद्मापद्म भाग्यशाली बनना है।* अपनी जांच करनी है - हमारे में कोई आसुरी गुण तो नहीं है? हम ऐसा कोई धन्धा तो नहीं करते जिससे विकारों की उत्पत्ति हो?

उत्तर 12- *A.माया*

बाप ज्ञान का नेत्र देते हैं, *ज्ञान और अज्ञान की लड़ाई चलती है। ज्ञान है बाप, अज्ञान है माया।* इनकी लड़ाई बहुत तीखी है। गिरते हैं तो समझ में नहीं आता। फिर समझते हैं मैं गिरा हुआ हूँ, मैंने अपना बहुत अकल्याण किया है। माया ने एक बार हराया तो फिर चढ़ना मुश्किल हो जाता है।

उत्तर 13- *C.मुझ आत्मा में 84 जन्मों का अविनाशी पार्ट नूंधा हुआ है*

उन्हें दृढ़ निश्चय होगा कि हमारा जो पार्ट है वह कभी घिसता-मिटता नहीं। *मुझ आत्मा में 84 जन्मों का अविनाशी पार्ट नूँधा हुआ है, यही बुद्धि में ज्ञान है तो ज्ञानवान है।* नहीं तो सारा ज्ञान बुद्धि से उड़ जाता है।

उत्तर 14- *A.द्वापर युग शुरू होता है*

अन्त को तुम देखते ही हो। यह सब खत्म हो जाना है। पूरा यादगार बना हुआ है। *देवी-देवता ही फिर वाम मार्ग में जाते हैं। द्वापर से वाम मार्ग शुरू होता है।* यादगार पूरा एक्यूरेट है। यादगार में बहुत मन्दिर बनाये हैं। यहाँ ही सब निशानियाँ हैं।

उत्तर 15- *B.सभी को पता*

बाप ने समझाया है बाप का परिचय तो जरूर सबको मिलना चाहिए। पिछाड़ी में बाप को तो जानेंगे ना। *विनाश

के समय सभी को पता पड़ता है बाप आया हुआ है।* अभी भी कोई-कोई कहते हैं भगवान जरूर कहाँ आया हुआ है परन्तु पता नहीं पड़ता। समझते कोई भी रूप में आ जायेगा। मनुष्य मत तो बहुत है ना, तुम्हारी है एक ही ईश्वरीय मत।

उत्तर 16- *A.ब्रह्मा ही चक्र में आते हैं*

यह सारा सृष्टि का चक्र कैसे फिरता है, कैसे स्थापना, विनाश, पालना होती है - यह तुम ही जानते हो। इसको कहा जाता है अन्धियारी रात। *ब्रह्मा का दिन और रात ही गाई जाती है क्योंकि ब्रह्मा ही चक्र में आते हैं।* अभी तुम ब्राह्मण हो फिर देवता बनेंगे। मुख्य तो ब्रह्मा हुआ ना।